रविवासरीय
हिन्दुस्तान
1936
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
रविवार
13 जुलाई 2025, बरेली

PAGE NO : 07 BOTTOM

डॉक्टरों ने स्वास्थ्य शिक्षा में एआई की भूमिका को सराहा

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शनिवार को एनाटॉमी विभाग की ओर से एआई से न्यूरोएनाटॉमी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर सीएमई का आयोजन हुआ।

इसमें इसमें देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर व्याख्यान दिए। सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के साथ चेयरमैन देव मूर्ति, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एमएस बुटोला, सीएमई की ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन व एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ.नमिता मेहरोत्रा, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ.शंभू प्रसाद, विशिष्ट अतिथि डॉ.नवनीत चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर सीएमई का उद्घाटन किया। सीएमई में देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका को सराहा और इसे महत्वपूर्ण बताया। सीएमई में एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन किया गया। डॉ.नवनीत ने सीएमई को सराहा और इसे एमबीबीएस विद्यार्थियों के साथ ही एसआर और फैकल्टी के लिए भी महत्वपूर्ण बताया।

एसआरएमएस में सीएमई में विशेषज्ञ वक्ताओं का स्वागत करते चेयरमैन देव मूर्ति।

सीएमई में एम्स ऋषिकेश की प्रोफेसर (डॉ.) रश्मि मल्होत्रा ने डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में सुधार पर व्याख्यान दिया। विम्हंस हास्पिटल नई दिल्ली के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ.महीप सिंह गौर ने स्टीरियोटैक्टिक, रेडियोसर्जरी, बेसिक और एआई एप्लिकेशन विषय पर अपनी बात रखी। उद्घाटन सत्र में इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ.आरपी सिंह, डॉ.शरद जौहरी, डीएसडब्ल्यू डॉ.क्रांति कुमार, सीएमई के कोआर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ.धनंजय कुमार, डॉ.समता तिवारी सभी विभागाध्यक्ष, एसआर, जेआर, एमबीबीएस विद्यार्थी मौजूद रहे।